RASHTRIYA SANSKRIT SANSTHAN

DEEMED UNIVERSITY

(Establishment under the Auspices of the Ministry of HRD, Govt. of India)

56-57, Institutional Area, Janak Puri, New Delhi-110 058.

Accredited with 'A' Grade by NAAC

NOTICE INVITING NOMINATIONS FOR VISHIST SANSKRIT SEVA VRATI SAMMAN

Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University), New Delhi has instituted the "**Vishist Sanskrit Seva Vrati Samman**" to be awarded annually to eminent persons working for Sanskrit and not directly related to Sanskrit and who have dedicated their life for Sanskrit and have made substantial contribution to the studies and research on Sanskrit based knowledge systems (Shastras) or have done significant work for promotion of Sanskrit Education.

The Samman will be given to maximum number of three individuals in the main ceremony of Sanskrit Saptahotsava every year on Shravani Purnima. It carries a cash award of Rs.1 lakh and citation. This year, Sanskrit Saptahotsava is going to be organized from 24th to 29th August, 2018.

The Vice Chancellors and Heads of Sanskrit Department of all universities in India are requested to nominate such non-Sanskrit scholars with complete details on their contribution in the field of Sanskrit to enable the Sansthan to evaluate it by a Selection Committee comprising of Sanskrit scholars. Last date of receipt of nominations in the Sansthan is 06.08.2018 (5.00 pm). The nomination will be accepted by email also on the email ID noted below-

Email:- rskspvc@yahoo.com

Nominations received after 06th August, 2018 (5.00 pm) will not be considered.

Sd/-

Registrar

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

मानित विश्वविद्यालय

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्त्वाधान में संचालित)

56-57, संस्थागत क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-110 058

Accredited with 'A' Grade by NAAC

विशिष्ट संस्कृत सेवाव्रती सम्मान के लिए मनोनयन हेतु आमंत्रण सूचना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा प्रत्येक वर्ष **''विशिष्ट संस्कृत सेवाव्रती सम्मान'** ऐसे विद्वानों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने संस्कृत क्षेत्र के न होते हुए भी, पारम्परिक शास्त्र के गहन अनुशीलन, शोध मौलिक संस्कृत साहित्य सर्जन एवं संस्कृत सम्बद्ध कला साधना आदि के द्वारा पारम्परिक शास्त्रों के संस्कृत अनुसंधान एवं अध्ययन के क्षेत्र में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण योगदान या संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पूरा जीवन संस्कृत की सेवा को समर्पित किया है।

प्रत्येक वर्ष संस्कृत सप्ताहोत्सव के मुख्य समारोह (श्रावणी पूर्णिमा) के अवसर पर अधिकतम तीन अलग-अलग विद्वानों को प्रशस्ति पत्र के साथ एक लाख रूपये की नकद राशि से सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष संस्कृत सप्ताहोत्सव 24 से 29 अगस्त, 2018 तक आयोजित होगा।

भारत देश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा संस्कृत विभाग के प्रमुख से आग्रह है कि वे ऐसे विद्वान् को नामित करें, जिन्होंने संस्कृत का विद्वान् न होते हुए भी अपना विशिष्ट योगदान संस्कृत क्षेत्र में दिया है। नामित विद्वान् का पूर्ण विवरण (सप्रमाण) 06.08.2018 (5.00 बजे सायं) तक प्राप्त होना आवश्यक है। मनोनयन निम्नलिखित ई-मेल पर भी स्वीकार्य किए जायेंगें-

Email:- rskspvc@yahoo.com

06 अगस्त, 2018 के बाद प्राप्त होने वाले नामांकनों पर विचार नहीं होगा।

कुलसचिव